भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2921 का उत्तर

हिमाचल के अम्ब अंदौरा में पिट/स्टेबल लाइनें

2921. श्री अनुराग सिंह ठाकुर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेकों के टर्नअराउंड समय को कम करने तथा अम्ब अंदौरा एवं उससे आगे के लिए अधिक लंबी दूरी की एक्सप्रेस रेल सेवाएं प्रारंभ करने की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अम्ब अंदौरा अथवा उसके निकट एक समर्पित धुलाई सुविधा तथा उससे संबद्ध पिट/स्टेबलिंग लाइनों के निर्माण का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) नांगल-ऊना-दौलतपुर चौक-करटोली-तलवाड़ा-मुकेरियां ब्रॉडगेज रेल लाइन परियोजना की वर्तमान स्थिति, और चालू किए गए भागों, निर्माण की प्रगति तथा लंबित कार्यों का रेल खंड-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत इस रेल लाइन पर नव उद्घाटित अम्ब अंदौरा स्टेशन की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं;

(घ) ऊना हिमाचल तथा दौलतपुर चौक रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, जैसे प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज (एफओबी), प्रतीक्षालय, पार्किंग सुविधाओं आदि का ब्यौरा क्या है;

(ङ) गत तीन वर्षों के दौरान इस रेल लाइन के स्टेशनों पर वार्षिक यात्री आवागमन का स्टेशन-वार तथा वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(च) उक्त परियोजना के नए खंडों के पूर्ण होने तथा हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अम्ब अंदौरा से लंबी दूरी की एक्सप्रेस रेल संपर्क सुविधा शुरू करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं अथवा उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): परिचालनिक और अनुरक्षण आवश्यकता के अनुसार वाशिंग पिट-लाइन सुविधाओं की योजना तैयार की गई है और इन्हें निष्पादित किया गया है। वर्तमान में, वाशिंग पिट-लाइन

सुविधाएं चंडीगढ़, कालका और अंबाला में उपलब्ध हैं, जिन्हें अम्ब अन्दौरा और उसके आस-पास के क्षेत्रों की वर्तमान और भावी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु उपयुक्त माना जाता है।

अम्ब अन्दौरा नंगल डैम-दौलतपुर चौक-करतोली लाइन पर एक मौजूदा स्टेशन है। नंगल डैम - दौलतपुर चौक-मुकेरियां परियोजना की स्थिति निम्नानुसार है:

इस परियोजना के नंगल डैम - दौलतपुर चौक - करतोली पंजाब खंड (70 किलोमीटर) को कमीशन कर दिया गया है। करतोली पंजाब - मुकेरियां (52 किलोमीटर) में निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। खंड-वार प्रगति निम्नानुसार है:

खंड	स्थिति
दौलतपुर चौक- करतोली पंजाब (10.5 कि.मी.)	कमीशन किया गया है।
करतौली पंजाब - तलवाड़ा (13.65 कि. मी.)	01 बड़े पुल पर कार्य शुरू किया गया है। 07 छोटे पुलों पर कार्य शुरू किया गया है। 02 ऊपरी सड़क पुल पर कार्य शुरू किए गए। 08 में से 06 निचले सड़क पुलों का कार्य पूरा किया गया है और शेष कार्य शुरू किए गए हैं।
तलवाड़ा - मुकेरियां (28.70 कि.मी.)	15 बड़े पुलों पर कार्य शुरू किया गया है। 40 में से 34 निचले सड़क पुल के कार्य पूरे किए गए हैं, शेष कार्य शुरू किए गए हैं। 3 में से 2 स्टेशन भवनों का कार्य पूरा किया गया है, शेष कार्य शुरू किए गए हैं।
पटियाल - भंगाला (9.89 कि.मी.)	02 बड़े पुलों पर कार्य शुरू किया गया है। 1 निचले सड़क पुल पर कार्य शुरू किया गया है।

रेल मंत्रालय द्वारा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है।

इस योजना में भारतीय रेल के स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजनाएं तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है। इस मास्टर योजना में, प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण,
- स्टेशन भवन में सुधार,
- प्रतीक्षालयों, शौचालयों, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथों में सुधार,
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/भूमिगत पैदल पार पथ का प्रावधान
- लिफ्टों/एस्केलेटरों/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफॉर्म की सतह संबंधी सुधार कार्य/प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,
- पार्किंग संबंधी विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,
- बेहतर यात्री सूचना प्रणालियां,
- एयर कॉन्कोर्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमॉडल एकीकरण, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिसमें से 04 स्टेशन, अम्ब अन्दौरा स्टेशन सहित हिमाचल प्रदेश में स्थित है। बैजनाथ पपरोला और अम्ब अन्दौरा स्टेशनों पर विकास कार्य पूरा हो चुका है।

हिमाचल प्रदेश में स्थित अम्ब अन्दौरा स्टेशन पर, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन भवन के सुधार, नया प्रवेश द्वार प्रांगण, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, 12 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल, नया प्रतीक्षालाउंज, शौचालय, प्लेटफॉर्म शेल्टर, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, ट्रेन इंडिकेशन बोर्डों की स्थापना, बैठने की बेहतर व्यवस्था, लैंडस्केप, लिफ्ट और 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल पर रैंप कार्य पूरे हो चुके हैं।

पालमपुर हिमाचल और शिमला स्टेशन मास्टर योजना/निविदा चरण के अंतर्गत हैं। मास्टर योजना एक पुनरावृत्त प्रक्रिया है जिसमें अनुकूलन की आवश्यकता होती है और इस प्रकार के अनुकूलन के लिए समय सीमा और अन्य विवरण इस चरण में इंगित नहीं किए जा सकते हैं।

हिमाचल प्रदेश में स्थित ऊना हिमाचल स्टेशन पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, प्लेटफॉर्म शेल्टर, उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, पानी के कूलर और पीने के पानी के नल, पैदल पार पुल, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। मौजूदा वर्षों में पैदल पार पुल, प्रवेश मार्ग और प्लेटफॉर्म शेल्टर को चौड़ा करने का कार्य पूरा किया गया है। परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, स्टेशन भवन के सुधार, प्लेटफॉर्म उन्नयन और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं के सुधार कार्यों को स्वीकृति दे दी गई है।

हिमाचल प्रदेश में स्थित दौलतपुर चौक स्टेशन पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, प्लेटफॉर्म शेल्टर, उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, पानी के कूलर और पीने के पानी के नल, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण, जिनमें प्लेटफार्म उन्नयन, पैदल पार पुल, प्रतीक्षा हॉल, पार्किंग आदि जैसी यात्री सुविधाओं का प्रावधान शामिल है, एक सतत एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को आवश्यकता, पारस्परिक प्राथमिकता के अध्यधीन और निधियों की उपलब्धता के अनुसार शुरू किया जाता है। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/यातायात संभलाई आदि के आधार पर किया जाता है।

वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2025-26 हेतु नंगल - ऊना हिमाचल - दौलतपुर चौक - करतोली खंड के लिए यात्रियों की संख्या निम्नानुसार है:

वित्त वर्ष	**यात्रियों की संख्या**
2023-24	**25.77 लाख**
2024-25	**30.56 लाख**
2025-26	**31.87 लाख**

भारतीय रेल लगातार संपर्कता में सुधार करने और यात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने का प्रयास करती है और इस उद्देश्य के लिए 2025-26 और 2026-27 (जुलाई, 2026 तक) के दौरान निम्नलिखित कार्य किए गए हैं जो अन्य बातों के साथ-साथ अम्ब अन्दौरा के यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं:

1. **19.07.2026 से दौलतपुर चौक, अम्ब अन्दौरा और ऊना हिमाचल में ठहराव सहित 14501/14502 अंबाला कैंट - करतोली एक्सप्रेस की शुरूआत।**

2. 06.06.2026 से 12325/12326 कोलकाता-नंगल डैम एक्सप्रेस का अम्ब अन्दौरा तक विस्तार।

3. 19.07.2025 से 64511/64512 सहारनपुर- ऊना हिमाचल पैसंजर का अम्ब अन्दौरा तक विस्तार।

तदनुसार, वर्तमान में, अम्ब अन्दौरा स्टेशन 20 गाड़ी सेवाओं (नीचे सूचीबद्ध) द्वारा सेवित है जो अन्य बातों के साथ-साथ दिल्ली, कोलकाता, गांधीनगर, हरिद्वार आदि जैसे गंतव्यों को संपर्कता प्रदान करती हैं।

क्र.सं.	गाड़ी संख्या और नाम
1	22447 नई दिल्ली - अम्ब अन्दौरा वंदे भारत एक्सप्रेस
2	22448 अम्ब अन्दौरा - नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस
3	12057 नई दिल्ली - दौलतपुर चौक जन शताब्दी एक्सप्रेस
4	12058 दौलतपुर चौक - नई दिल्ली जन शताब्दी एक्सप्रेस
5	12325 कोलकाता - अम्ब अंदौरा एक्सप्रेस
6	12326 अम्ब अन्दौरा - कोलकाता एक्सप्रेस
7	14053 दिल्ली - करतोली पंजाब एक्सप्रेस
8	14054 करतोली पंजाब - दिल्ली एक्सप्रेस
9	14501 अंबाला कैंट - करतोली पंजाब एक्सप्रेस
10	14502 करतोली पंजाब - अंबाला कैंट एक्सप्रेस
11	19411 गांधीनगर कैपिटल - दौलतपुर चौक एक्सप्रेस
12	19412 दौलतपुर चौक-गांधीनगर कैपिटल एक्सप्रेस
13	22709 हजूर साहिब नान्देड - अम्ब अन्दौरा एक्सप्रेस
14	22710 अम्ब अन्दौरा - हजूर साहिब नान्देड एक्सप्रेस

15	64511 हरिद्वार - अम्ब अन्दौरा मेमू
16	64512 अम्ब अन्दौरा - हरिद्वार मेमू
17	64563 रायपुर हरियाणा - अंब अंदौरा मेमू
18	64564 अम्ब अन्दौरा - रायपुर हरियाणा मेमू
19	74991 अंबाला कैंट - दौलतपुर चौक डेमू
20	74992 दौलतपुर चौक-अंबाला कैंट डेमू

इसके अलावा, नई गाड़ी सेवाओं की शुरूआत/सेवाओं का विस्तार एक सतत प्रक्रिया है, जो विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें शामिल हैं:

- संबंधित खंड की क्षमता।
- रेलपथ की उपलब्धता।
- आवश्यक चल स्टॉक की उपलब्धता।
- चल स्टॉक के लिए उपयुक्त अवसंरचना की उपलब्धता।
- रेलपथ और अन्य परिसंपत्तियों के अनुरक्षण की आवश्यकता।
- खंड की अधिभोगिता और यातायात संबंधी आवश्यकता।

******